**भूमि क्रय हेतु निर्दिष्ट अनुपालन का वाद**

**(Suit for Specific Performance of Purchasing Land)**

न्यायालय ............

वाद नंबर ............ सन् .. ..........

अ०ब०स० ............ वादी

बनाम

स०द० फ० ............ प्रतिवादी

श्रीमान जी,

उपरोक्त नामांकित वादी निम्न प्रकार सविनय निवेदन करता है :

1. यह कि दिनांक ............ दिन ............. को वादी और प्रतिवादी के मध्य एक पंजीकृत अनुबन्ध हुआ था जिसके मूल दस्तावेज इस वाद पत्र के साथ संलग्न हैं जिस पर परिशिष्ट संख्या ............ अंकित है (अथवा दिनांक ............ दिन ............ को वादी और प्रतिवादी आपस में इस बात पर पंजीकृत अनुबन्ध के अधीन सहमत हुए थे कि वादी प्रतिवादी को अपनी 40 बीघा भूमि स्थित ग्राम ............ अंकन रु० ............. में विक्रय करेगा और प्रतिवादी उसे वादी से क्रय करेगा।
2. यह कि दिनांक ............ दिन ............ को वादी द्वारा बावजह होने पूर्ण मालिक व काबिज अपनी सम्पत्ति के वास्ते और बावजह होने पाक साफ सभी प्रकार के भार से प्रतिवादी के हित में सम्पत्ति के अंतरण हेतु पर्याप्त दस्तावेज लिख दिया (अथवा सदैव तैयार और इच्छुक था और अभी भी इच्छुक और तैयार है और प्रतिवादी के नाम में अंतरित करने का पर्याप्त दस्तावेज के द्वारा प्रस्ताव रखा था) और तय शुदा मूल्य प्रतिवादी के द्वारा अदा किया जाना था।
3. यह कि दिनांक ............ को वादी द्वारा पंजीकृत नोटिस प्रतिवादी को दिया गया जो कि उसके द्वारा दिनांक ............. को प्राप्त किया गया जिसमें उसे उक्त भमि से सम्बन्धित उपनिबंधक के कार्यालय में वादी द्वारा निष्पादित दस्तावेज को पंजीकृत कराने हेतु दिनांक ............ को 4 बजे तक उपस्थित होने और तय शुदा धनराशि अदा करने हेतु अनुरोध किया गया था परन्तु प्रतिवाद उपनिबन्धक के कार्यालय में उक्त तिथि में अपराहन 4 बजे तक उपस्थित नहीं हुआ। यद्यपि वादा द्वारा वस्तु स्थिरि की सूचना देकर उपनिबन्धक के कार्यालय में वहाँ उपस्थित रहा था।
4. यह कि वाद का हेतुक (cause of action) तब उत्पन्न हुआ जब दिनांक ............ प्रतिवादी उक्त उप निबन्धक के सम्मुख उपस्थित नहीं हुआ जबकि उसे नोटिस प्राप्त हो चुका और उसके द्वारा तय शदा धन राशि का भगतान नहीं किया गया। इस मान्य न्यायालय का की सुनवाई करने का क्षेत्राधिकार प्राप्त है।
5. यह कि न्यायालय के क्षेत्राधिकार व न्याय शल्क के उद्देश्य हेत वाद का मूल्याकन रु० ............ किया गया है जो कि उक्त भमि का प्रस्तावित विक्रय मल्य है और उसी के अनुसार न्याय शुल्क का भुगतान किया गया है।

**प्रार्थना:**

इस वाद पत्र के द्वारा निम्नांकित अनुतोषों की माँग की जाती है :-

1. आदेशात्मक निषेधाज्ञा निर्गत करते हुए प्रतिवादी को अंकन रु० ............. का भुगतान वादी को भूमि के मूल्य के रूप में भुगतान करने हेतु और उपनिबन्धक कार्यालय द्वारा विक्रय पत्र पंजीकृत कराने के वास्ते निर्देशित किया जाये।
2. विक्रय मूल्य पर उचित दर पर ब्याज का भुगतान वादी को करने हेतु निर्देशित किया जाये।
3. वादी को वाद का हर्जा खर्चा भी दिलाया जाये।

**वादी..........**

**द्वारा अधिवक्ता ......**

**सत्यापन**

मैं कि ............ वादी यह सत्यापित करता हूँ कि वाद पत्र के पैरा 1 से 3 तक व 4 का कथन मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य हैं और पैरा 5 का कथन कानूनी सलाह पर आधारित है जो मेरे विश्वास में सत्य हैं।

सत्यापित - स्थान ............ दिनांक ............ दिन ............ (वादी)